

Inhalt

| | |
|--|-------|
| Erkenntnikritische Vorrede | 7 |
| Liebe und List | 17 |
| List und „list“ | 26 |
| Zum Vorverständnis | 31 |
| Die Eltern und der Ur-Anfang | 34 |
| Entwicklung der Minne | 39 |
| Verwirklichung der Minne | 45 |
| Rual und Floräte: Die Wahleltern | 50 |
| Tristans ‚Kindheit‘ und Jugend | 54 ↴ |
| Tristans Heimkehr | 61 |
| Entstehung von ‚vröude‘ und ‚leit‘ | 82 ↖ |
| „vröude“ und „leit“ | 107 ↖ |
| Absolutheit der Minne durch die Vollkommenheit von ‚vröude‘ und ‚leit‘ | 109 ↖ |
| Schlußbetrachtung | 115 |
| Literaturverzeichnis | 117 |